④ दैनिक जलते दीप
जयपुर, बुधवार 18 फरवरी 2009

ग्लोबल आयोडीन नेट-वर्क के बोर्ड की बैठक 19 से जयपुर में

जयपुर, 17 फरवरी (कास)। आयोडीन नेटवर्क के तहत कार्यरत अन्तर्राष्ट्रीय एजेन्सियों के विशेषज्ञ जयपुर में पहली बार 19-20 फरवरी को बोर्ड की बैठक के लिए इकठे होंगे।

विश्व स्तर पर आयोडिन की कमी के उन्मूलन पर कार्यकर रही संयुक्त राष्ट्र एजेन्सियों, गैर सरकारी संगठन और नमक उद्योग से जुड़े वैशिक गठबंधन के भागीदार इस बैठक में भाग लेंगे।

बैठक में दुनिया भर में आयोडिन की कमी से नवजात शिक्षुओं को मस्तिष्क विकास नहीं होने तथा मानव व जानवरों की खपत के लिए आयोडाइज नमक सुनिश्चित करने के प्रयासों की समीक्षा की जायेगी। इस बैठक में भारत में आयोडिन की कमी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं व समाधान की पद्धतियों पर विशेष रूप से चर्चा करेंगे।

इस वैश्विक गठबंधन में संयुक्त राष्ट्र बला कोष (यूनिसेफ) विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन किनानी इन्टरनेशनजल, नमक संस्थान, यूरोपीय संघ नमक, चीन राष्ट्रीय नमक उद्योग निगम, माइको रोलिंस स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ के एमरो विश्वविद्यालय, रोग नियंत्रण केन्द्र शामिल है।

जयपुर महानगर टाइम्स

आयोडीन की कमी शिशुओं में घातक

चर्चा के लिए जयपुर में जुटेंगे अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों के विशेषज्ञ

महानगर संवाददाता

जयपुर, 19 फरवरी। आयोडीन नेटवर्क के तहत कार्यरत अन्तरराष्ट्रीय एजेंसियों के विशेषज्ञ जयपुर में पहली बार आज और कल बोर्ड की बैठक के लिए एकत्रित हुए हैं। विश्व स्तर पर आयोडिन की कमी के उन्मूलन पर कार्य कर रहे संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों, गैर सरकारी संगठन और नमक उद्योग से जुड़े वैशिक गठबंधन के भागीदारों द्वारा इस बैठक में भाग लिया जाएगा। इस बैठक में दुनिया भर में आयोडिन की कमी से नवजात शिक्षुओं के मस्तिष्क विकास नहीं होने तथा मानव व जानवरों की खपत के लिए आयोडाइज नमक सुनिश्चित किए जाने के लिए प्रयासों की समीक्षा की जाएगी।

इस बैठक में भारत में आयोडिन की कमी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं व समाधान की पद्धतियों पर विशेष रूप से चर्चा करेंगे। इस वैश्विक गठबंधन में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ), विश्व खाद्य कार्यक्रम, विश्व स्वास्थ्य संगठन, किनानी इंटरनेशनल, नमक संस्थान, यूरोपीय संघ नमक, चीन राष्ट्रीय नमक उद्योग निगम, माइको इनीशियेटिव, अन्तरराष्ट्रीय आयोडिन नियंत्रण परिषद (आईसीसीडीडी), रोलिंस स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एमरो विश्वविद्यालय, रोग नियंत्रण केन्द्र (सीडीसी) शामिल है।